

न्यमितो ह न वे न्य ज शो गी सु व हि रू न स र म न वै
नी चं न्ये न वे स मे की गी ॥ नानो न द मा सि ॥ गच्छा ला या अ गी
स त दि न श ग स मा न ॥ क्ले न वे न स ता व न स ति न अ गी सान थ
धि द वे ल स व ल ख न जा न क्लान व ल ख न वा दा अ गी स द न व
लान ॥ प्र र थ धि द कृ ग्मान म गे ल प्र र स क गी गी अ री मा न श र
न वे ल स गी ग वि अ गी गी दा न ॥ प्र र थ धि द कृ ग्मान ॥ ५ ॥ दा त ना

मान च विनून सवननडा अमृतादान ॥ १८ ॥ न विना ॥ उाहु नमदान डिम
न स्वगतगत गयन नयनघेद्विदयनकि दक्षिणा ॥ यन्दमाचहु नममज
मनससायजमडासगसगनज फूनडा ॥ क्रिद्रिद्रियादिनादिसुनन अरु
सकिम अरुन अरुतहगगग ॥ क्रववाव क्रिद्रियस स्वादिन नमरु
धरुन विवहतयवाडा ॥ थयतकन डाजडावनिडामरुवा विव निवद
वेर कुडवाय ॥ विविवायूरुवमगनमनक वमनधनजनजीवन कुवाय ॥

[illegible]

[illegible]

हा का अ न मान व स दे वि य स य स या न या न ॥ २१ ॥ क द वा ॥ थ
 म थ ध म रु न वि न क म या क ख स म ड ह ग थ अ ग ड आ हा ना का अ
 दि क च्छ धा य च्छ ध म रु म या न सू ज न न ऊ ड स द ष रु था य मा व ॥ २२ ॥
 क ड व स न वि ति रु या ड पा क डाय क न य बा धि रु ड नी ड ॥ २३ ॥
 जि या रु य क म न म रु ख न धा य वृ का स पू ज्ञा न रु धि मा व रु या य
 जी व न म रु न व य ष म रु दा य वृ म नि ग मा व म नू ष ड गा ड ॥ २४ ॥ रु व मा

मना नि कड जावन बाह बाल डोडो ॥
दिअ मृग दन मरुडा, हादत विरुद्ध यथा ॥
नधाय सर्व का मून मान, थाय समा वाय के मान कु वाने ॥ २२ ॥
॥ श्वस्तन वाय रुना डोडो सुनी ॥ मइने के रुद्र डोडो मथ मइने रुद्रान
मून वन समुमान सावड जाव ॥ दस ॥ डोडो मसमान, डोडो मसमान
मसमान यमि समान ॥ मान गिल हिल मनन विगाडा, दया डोडो मदान थडे

काऊ सें कुआडा ॥ यता दम नृया खडा ववन रुद्रा द, हिन रुद्रा डोडो द
वसु याद ॥ २३ ॥ कोसिका ॥ मरुद्रान रुद्रा वी विमरुद्रान गुनया कवनी, काम
नदे काव समान, मस वस यानी सुनान ॥ मइडा डोडो यमा, जमन वडा ल
व यदमा ॥ गव नूद्र मरुद्रा ममान, मावामिन श्वस्तन यावमान ॥ श्रु कल यि
प्रितिया, नम मून गथ दूडा या ॥ रुद्र कल नम दय काव, देडा न वि
ववा थयाव ॥ रुद्र रुद्रा वन दि, डोडो रुद्रा वन दि ॥ निनु निवहान मान

नव शमीयाहयमान ॥ कृषकुम्भसंतव मइहालाकसदव ॥ विधातावि
मूरवइवनाय यतायमेनैतइकाहाय ॥ २४ ॥ धीयेनी ॥ उपनायाजव
सुनज्वनभूववसमवनथउावग्वयाडा ॥ थायावथवानवातवानक्रिनम
मथउाभकूयाडा ॥ जूडाथडातनसिवयसववसका ॥ थनाडानोंहकुवा
दाडा ॥ सुवेवडाकवनीजालयाकूकडाह ॥ थडाताइसुडाडा ॥ खानम
लसमावकुनककायकुनजियकाडा ॥ पाहयसवसुपाहनगाहक

बाकदयिडासुकांमैन ॥ नृपतिधीयवतायमहैनहावजगक्रिखहा
यथमथथडाग्वसुमसुडाकगडाडवितहायकूयाय ॥ २५ ॥ धी ॥
डानवतसिसुथयथयससिडान ॥ यखवनधनहहमवयाडाना ॥ म
सिडानिसुसुडासिवसगननिस ॥ थवथिथीयासायत्रिजनयविहिमा ॥ सु
लानहसुवथमथडाकूयग्वन ॥ हाइससवारुतिनमूतिडतिजाव ॥ य
वयसावविषायावासविसखन ॥ निधककूधकश्मतायामन ॥ यताय

नहिनधायसिन्नहयाकाम, थडाजिडागहनहश्रयिकामयात॥
 बवा॥डासुसिन्नहामवनकूवगावता॥
 डा॥मयासथमथमवाडावविवात, सुपूवखखरुखसयादाववहा
 व॥हकडासजुदिकनडाहगायामूव, हिपमिडाडगिरागिगहसमह
 य॥सुवनमसमयसथममसयाडा, क्राकेनसासववपाहुनसिधका
 व॥सिनेदिनसमनाने॥पनगापमहिनसुवसरवहाय, काकिनेडाका

- १ नाग

षडगिधायदूयाय॥^{म३}२॥माववा॥कूनखावशाहासावकूनयहमा
 वावहि२धिनदिनसमनान॥सुन्दावि॥पवतवतययवखानकूगुन
 दवगानसंसायांडांजुगिसकाऊवमनावन॥सुमवृगहनकूनगेनेहु
 सायाव, महसमयानथमडगिमहादावा॥वनकवकूनसनवाकून
 थान, हविनवसविवावडाडामीवान॥यगापमहिनधाययिगहस
 यान, रुवनकूकतशकायाकवसुनान॥२॥पहविन्या॥हुडासुवन

थमपि विविताषमय कनरुति इकथे नित्यति क्लाता ववाय का वन उ
डासं सय क द ॥ विमति विमलय विधिसय वन स द विव कि नि दु स विन
क व म दा स न उ न इ मे व स न नि थ व पू वू ष द वि व ॥ अ व ध ति नि व ध पा य
या रु य म द ग ज्ञा स ग मा व सि न रु गु वि गु न म न न म म रु न म या क कू
न रु वं रु व ॥ अ स रु वं द न स रु या थ व ता रु रु यि डा द यि डा रु रु य
ध न रु वि २ कू पू न स वी व ज व रु न या दं न कू न ष य ॥ यू वू व वि वि ति

वि ति रु ति २ अ स रा स द या डा नृ प ति ग्री प व ता य म र्ज न धा य या न कू
वं रु डा ॥ २ रु ॥ मा न व ॥ का रु व म य व रा या य अा व व नि दान य ग व व न
ग व ल कू रु य व व कान व द्या वी कू रु न थ डा म रु व उ पा य अ वि प ति स
न कि य खि कि खी नू म्मा य ॥ व थान क डा कू व थ वि षा व कू या य व व क
व म दू कू व कू य कू व दाय ॥ य ता य म र्ज न धा य थ म या वि वा व द यि
व स गु नि ज न य य व थ क्ता न ॥ ३ वा ध ना धी ॥ इ ति डा डा डा थू य क क किं

क॥ मनसमममं थममजिलडाय थनियादा जिकुन ॥ तायालसिन हवव
 नकाधवय मनयादि विनिसयाडा ॥ वयसकासजुदिकजुकेल दयिव
 दवगोनग थनजुडा ॥ जू वसिक वसन कमवरुसखन हयकाडा वदि
 कविक ॥ वालियायलद्यनवनदाव २ चन्द्रमा जूनिन थाक ॥ कनकम
 डायकनिगु लकूमात्र मात्रलषवयवाज ॥ विविनिसक वठसंरावम
 यासं हथनमायिडाहुकाज ॥ मामसमवयनिसरुवमदद थमयव

याज्यायित ॥ १ ॥ समूहं साता दून धनः चान क्रिन जून यित ॥ २ ॥ अनडा मिव
सन नगा य पाय व न नान यात क यान ॥ ३ ॥ यता यम लीन धा या थ या डा न य
या क व स वान ॥ ४ ॥ ॥ जामा व नी ॥ ५ ॥ य स म या क थ जू व स व द्या य थ म द नि थ
म जू व थ नि वा य ॥ ६ ॥ इ व व स य व न थ व का रु नि थ य स दा रु जू व स व ध न म इ
द य ॥ ७ ॥ दान ध व स दून सी प ति वा य जून क जून न डा स न डा या य ॥ ८ ॥ य व ता य म
लीन म ति या उ पा य दि य ति व व स थ डा गा क्र नि या य ॥ ९ ॥ ॥ मी न ॥ १० ॥ दान स
नान स या न ड या य दी व डा जा य न का यी व व या य ॥ ११ ॥ धन पा रि ज न थ डा व न न

महाराज... ३५।

निधिसिद्धिवाञ्छुलिदवि॥ वक्ष्यमिदं किं न ऊचिषु जूनाम दशमुखमा
विप्रबलहवकाम॥ निविगविलासिनिनयनकज्जुध दखह इवकवइ
विगज्जुमाध॥ क वञ्जविनृपधीनृधेखमर्हहान् हिमनगनेनिनि कव
ववदान॥ ३६॥ धनग्री॥ वेमन॥ तवै जं वा निना वज्जदाधक वजाय
वा इज्जिनमधूवायू निना वाध दकादिया जूमाकनेनवा भावयमानवा
हाध॥ काहकिवालिना वज्जजूमाकनऊयिवा रुमिवालिना जूयिस्

नयास्य आहादषडाहमिज्जास भावयमानवानाध॥ ३७॥ वाविहाय
॥ धनऊति॥ कजावा ऊ कथयाडावश्चात्र विखखायामरिजाडा औव
दनामनकव वयवायवाहवादाय॥ मदिगा निदयाकव यहिधा
नेजाडाभावाज्जाव माहि न मूगतिपदपायवाहवादाय॥ कोनदिन
गवहैषा प्रायवाह आन हविश्ऊ प्राणमावा वावजायवाह
मूयिग मूगतिरुलपायिवावाजायवाह॥ ३८॥ विहाय॥ ऊति॥ जि

दत्त आदित्य विवा ॥ हवनमन्त्र श्रुत्वा कन्ये सति कर्कशं श्रुत्वा नखसि काष्ठवि
पिष्टं निमग्नं हि दत्तं वाहं आदित्यं ॥ वाहं हवनं वयं नैव्या नैव सिंगडनं वनामरं
सिंहनासं ववादाय वाहं वहाव वाहं ॥ सादवहाना यत्र श्रुत्वा कन्ये वाहं
श्रुत्वा सहि हविषा किं वा रवं वाहं ॥ ४२ ॥ मन्त्रोक्तं ॥ हवनं हवनं सिद्धि
हवनं हवनं वानि ॥ गुणाय दत्तं न कथय न मनजानि ॥ माय श्रुति दीन हवि
नमति दत्तं कन्ये कन्यादा विहक न डय ॥ दूत नय कन्ये सत्तु श्रुय

कथं नैव कुलं न कन्ये वदनं वान ॥ यन्मायम हवनं कं ये वजा ॥ अथ द
दत्त कन्ये नैव कल स्वयं ॥ ४३ ॥ नमो भगवते ॥ काटि श्रुत्वा विष्णुकाटि स्वा
नमाल्या स्यात्मा के दाल नीलान सह निन हवि उता काठ साकन साक
॥ सत्तु वधन्यं कुजनम साय ॥ कवि नृ हि वदु हि वा ॥ अहम ल गो व न इय
न साय ॥ कल सत्तु हन ल मन्य सत्तु न ड ॥ वि वि स क म ना व ॥ गा व न र म न
न ॥ गा कल सत्तु वा कल सा न ड ॥ या व ॥ कल सत्तु व न ड ॥ मि न ड क

हृदयानि कथान मनयावेदनं यशस्वत्यपतला जनपिठखावीक
यतापमर्तनसुकासीसापुसायान अयान क्वाये ग्वस्रयावसनधुस
मीवदनडाकृतिस् यानयान ॥ ४४ ॥ **जगमयम** ॥ जति ॥ सुगकमल
यसमन्दव धनकृत्तुव ॥ कलिंगललितवनमाने लधुं जय २५
वहन ॥ दिनमलमन्दन तव खलुतव ॥ मनिजनमानसहस ॥
५ ॥ कालि यविषधव जननंजन ॥ ऊइकलनलिननिदर ॥ ५ ॥

धूमलनवकदिनसन गवृठासन ॥ सुलकलकलिननिदाने ॥ ५ ॥
जूमलकमलेदवलावन तवमाय ॥ निरुवनतवसेवे ॥ ५ ॥ जनक
सुतावमरुखन जीतदूषल ॥ समलसितदमकंथा ॥ ५ ॥ अतिन
वजनवधवसुन्दन धनमन्दन ॥ धामिखवन्दवकास ॥ ५ ॥ धाज
यदयकयविदि कुरुतमदी ॥ मंगलमृकालगीति ॥ ५ ॥
॥ ४५ ॥

स्नातकना ॥ तान सर्वे इति ॥ १६ ॥ यादृथिन उत न देह
खान ह निय व नू ने ह ॥ १७ ॥ व ह दे रि न्य व नै र्जी सु त न
ॐ र्ज ह क ह क ह ॥ १८ ॥ न स व ह दे रि न्य व नै र्जी सु त न
दृ प य सान जि व मो ल ॥ १९ ॥ य क ज र ग्जी वि प ह रि न
ग्जी न यं थ नि हान हि तान ॥ २० ॥ दृ ज नो च न न सु र व च न

न य न ध नि य र व स नान ॥ २१ ॥ अ हि दे सान हि क न म का
ग्जी न ना म ह शी र न नि हान ता हि दे सा के न ह म न वानै र्
सू म नि सू म नि हि य सान ॥ २२ ॥ य क स दू व न दू स न कू व
नै र्जी स न मा न उ दा स ता हि दे रि न्य व नै र्जी सु त न
३१ न ज र व न न वै स थि वा स ॥ २३ ॥ र न य वि द्या व ति सु